

प्रेषक

राज्य स्तुड़ी,  
सचिव वित्त,  
उत्तराखण्ड शासन।

संज्ञा

अपर मुख्य सचिव/  
समस्त प्रमुख सचिव/सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

वित्त अनुभाग -1

बेहतादत, दिनांक : 19 जनवरी 2010

विषय:- वित्तीय वर्ष 2009-10 के लिये प्रथम अनुपूरक अनुदानों की स्वीकृति।

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक वित्त विभाग के शासनदेश संख्या-05/XXVII(1)/2010 दिनांक 07 जनवरी 2010 का संदर्भ ग्रहण करें।

2. उपर्युक्त उल्लिखित शासनदेश के प्रस्ताव-3 में प्रथम अनुपूरक अनुदान में राज्य योजना एवं जिला योजनान्तर्गत की गई बजट व्यवस्था की स्वीकृति परियोजना उद्देश्य होने के बावजूद भी वित्त विभाग की सहमति प्राप्त होने के उपरान्त ही स्वीकृत किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। इस उक्त प्रस्ताव में आंशिक संशोधन किये हुये मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि जिला योजनान्तर्गत की गई बजट व्यवस्था की स्वीकृति प्रशासनिक विभाग पूर्व निर्गत शासनदेश संख्या-515/XXVII(1)/2009 दिनांक 28 जुलाई 2009 के प्रस्ताव-1 के अनुसार करने रद्द से बच हेतु जिलाधिकारियों के निर्वर्तन पर रखा सकता है। इसके लिये वित्त विभाग की सहमति आवश्यक नहीं है।

उपरोक्त शासनदेश इस सीमा तक संबंधित रहना जाय। शासनदेश की शेष शर्तें अक्षरशः लागूगी।

भवदीय,

(राज्य स्तुड़ी)  
सचिव वित्त

संख्या ३२३ (१)/XXVII(D)/2010 एवं तदुद्दिष्ट

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित—

1. महाप्रबन्धकार उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स प्रिविडेंट, स्टापनपुर रोड, नाहरा देहरादून।
2. सभस्त विभागप्रमुख, उत्तराखण्ड।
3. शासन के समस्त अनुभाग।
4. राभरल जिला वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. एन० आई० सी०, सचिवालय, देहरादून।

आज्ञा से

(आर० सी० रानी)  
संयुक्त सचिव, जिला